

(c) what are the terms regarding technical know-how?

The Minister of Industry (Shri Manubhai Shah): (a) Yes, Sir.

(b) The new company will have 40 per cent. Indian capital participation.

(c) The company will receive full technical collaboration, 'know-how' and assistance from the foreign company without being charged any royalty or technical fee. Engineering and other expenses incurred by the foreign company will, however, be payable and will be allotted Rs. 7½ lakhs worth of shares on this account

Recognition of Sudanese Government

*1220. Shri P. C. Borroah: Will the Prime Minister be pleased to state:

(a) whether any formal request has been made to Government by the new Sudanese Government for its recognition; and

(b) if so, the reaction of the Government of India?

The Parliamentary Secretary to the Minister of External Affairs (Shri Sadath Ali Khan): (a) and (b). A request was received from the new Government of the Republic of Sudan for formal recognition and the Government of India immediately accorded it.

हिन्दी में दिये गये भाषणों का प्रसारण

*१२२१. श्री शंकर देव : क्या सूचना तथा प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि ससद सदस्यों द्वारा हिन्दी में दिये गये भाषणों को आकाशवाणी के अंग्रेजी प्रतिनिधि पहले अंग्रेजी में नोट करते हैं और उन्हें सम्पादित करने के बाद हिन्दी के समाचार बुलेटिन में प्रसारण के लिये उनका अनुवाद किया जाता है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि प्रधान मंत्री और राष्ट्रपति द्वारा सार्वजनिक स्थानों

में हिन्दी में दिये गये भाषणों को प्रथम अंग्रेजी में लिखा जाता है और बाद में प्रसारण के लिये उनका हिन्दी में अनुवाद किया जाता है ; और

(ग) यदि हा, तो मन्त्रालय ने इस प्रथा को समाप्त करने और आकाशवाणी के हिन्दी समाचार डिब्बोजन को समाचार आदि के सम्पादन में आ म निर्भर बनाने के लिये क्या कार्यवाही की है ?

सूचना तथा प्रसारण मंत्री (डा० केसकर) : (क) आकाशवाणी के पालिय-मेंट में नियुक्त कारस्पान्डेंट मदन में होने वाले भाषण आदि को सुनने हैं तथा दिन भर की कार्य इन्हीं का मक्षिप्त व्योरा तैयार करते हैं । उनका कार्य यह नहीं है कि वह भाषणों को अक्षरशः नोट करें न वह गंभा कर सकते हैं । उनसे आशा की जाती है कि वह महत्वपूर्ण भाषणों के अंशों का, चाहे वह हिंदी में ही चाहे अंग्रेजी में, अंताओं के लाभ के लिये नोट करें ।

(ख) और (ग) आकाशवाणी में अभी तक हिंदी समाचारों का बताने तथा इकट्ठा करने के लिये यूनिट नहीं है । यदि हम राष्ट्रपति अथवा प्रधान मंत्री के भाषणों को अथवा मदन की कार्यवाही को नोट करना चाहते हैं तो इस प्रकार का हिंदी यूनिट आवश्यक है । राष्ट्रपति तथा प्रधान मंत्री के बहुत से भाषण शब्दशः नोट भी किये गये और इन में कई एक को टेप रिकार्ड भी किया गया । फिर भी हिन्दी में भाषणों को शब्दशः नोट करना तब तक सम्भव नहीं हो सकता जब तक कि इस काम के लिये नियमित रूप में हिन्दी यूनिट की स्थापना नहीं की जाती । कुछ हद तक इस काम को प्रारम्भ भी कर दिया है और इस काम को बढ़ाना इस बात पर निर्भर है कि धन किम है' तक पलव्व होगा और हिन्दी के काम का फैलाव कितना होगा ।